चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.9.24	2	3-4

केवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी : प्रो. कांबोज

66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ

केवीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटन का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर कृषि विस्तार शिक्षा के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ की जाने वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने में केवीके अहम भूमिका निभा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.9.24	5	3-6

वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी: प्रो. काम्बोज

हिसार, 10 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आई.सी.ए.आर. (कृषि विस्तार शिक्षा) के ए.डी.जी. डॉ. आरके सिंह व पूर्व ए.डी.जी. डॉ. रामचंद विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एम.एच.यू. करनाल के कुलपति डॉ. एस.के. मल्होत्रा व बी.सी.के.वी. विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एम.एम. अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आई.सी.ए.आर. के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आई.सी.ए.आर. अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जे.पी. मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।

किसान को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितैषी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ौतरी हो सके। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया।

कार्यशाला में डॉ. आर.के.सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। डॉ. एस.के. मल्होत्रा ने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11.9.24	3	7-8

वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम जानकारी

जासं ● हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को बेहतर ढंग से काम करना होगा। वह तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इसमें आइसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डा. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डा. रामचंद विशिष्ट अतिथि थे। एमएचयू करनाल के कुलपति डा. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विवि के पूर्व कुलपति डा. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि थे। प्रो. काम्बोज ने कहा कि तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.9.25	5	1-4

केवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरि, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी : प्रो. काम्बोज

हिसार, 10 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्यातिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के पूर्व एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितैषी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों का कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अटूट विश्वास है। जिसके माध्यम से किसान समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल उत्पादन की एडवाइजरी, विभिन्न फसलों के बीज, मिट्टी पानी की जांच सहित अन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया।

केवीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटन का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारम्भ

कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ की जाने वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने में केवीके अह्म भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। धानुका के चेयरमैन डॉ. आरजी अग्रवाल व आईसीएआर नई दिल्ली के पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद ने भी अपने विचार रखे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. संदीप रावल ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11-9-24	4	6-8

वैज्ञानिकों को कृषि की हर नई तकनीक किसानों तक पहुंचानी चाहिए : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली के 66 कृषि विज्ञान केंद्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केंद्रों की गत वर्ष किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इस दौरान प्रो. कांबोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि किसानों तक नवीनतम तकनीकी जानकारी पहुंच सके।

कुलपति ने कहा कि तकनीकी के युग में किसानों के लिए समय-समय पर हिदायतें जारी की जाएं। आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। धानुका के चेयरमैन डॉ. आरजी अग्रवाल व आईसीएआर नई दिल्ली के पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद ने विचार रखे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	11.9.24	11	2-6

66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ

फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीक की जानकारी: वीसी

कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की

हिसार। केवीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटन का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज व अन्य। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्याल में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितैषी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों का कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अटूट विश्वास है। जिसके माध्यम से किसान समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल उत्पादन की एडवाइजरी, विभिन्न फसलों के बीज, मिट्टी पानी की जांच सहित अन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया। किसानों को नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए देश के 731 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र संचालित है। उन्होंने केवीके द्वारा किसानों को प्रदत की जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यशाला में केवीके द्वारा कृषि महाविद्यालय परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर विभिन्न केवीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटन का भी विमोचन किया गया। कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।

सरकार की योजनाओ की अहम भूमिका के बारे में बताया

एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ की जाने वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने में केवीके अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। धानुका के चेयरमैन डॉ. आरजी अग्रवाल व आईसीएआर नई दिल्ली के पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद ने भी अपने विचार रखे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला में सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.9.24	2	2-3

एचएयू में कृषि मेला 16-17 को फसल अवशेष प्रबंधन पर फोकस

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। कि इस बार किसानों की सुविधा को देखते हुए उनके बैठने के लिए वाटर प्रूफ पंडाल होगा। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत और इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

वस्तिार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई टकनोलॉजी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन और गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	10.09.2024	---	--

केवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी : प्रो. काम्बोज

हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ

तकनीकी बुलेटन का विमोचन करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितैषी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके। कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.09.2024	---	--

केवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी: प्रो. काम्बोज

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितैषी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों का कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अटूट विश्वास है। जिसके माध्यम से किसान समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल उत्पादन की एडवाइजरी, विभिन्न फसलों के बीज, मिट्टी पानी की जांच सहित अन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया। किसानों को नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए देश के 731 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र संचालित है। उन्होंने केवीके द्वारा किसानों को प्रदत की जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यशाला में केवीके द्वारा कृषि महाविद्यालय परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर विभिन्न केवीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटन का भी विमोचन किया गया।

कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।

एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ की जाने वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने में केवीके अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। घानुका के चेयरमैन डॉ. आरजी अग्रवाल व आईसीएआर नई दिल्ली के पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद ने भी अपने विचार रखे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. संदीप राबल ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारीगण एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.9.24	9	1

एचएयू में रबी फसल कृषि मेला 16-17 को

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। किसानों को विवि के वैज्ञानिकों फसल अवशेष प्रबंधन की जानकारी देंगे। वीसी प्रो. बीआर कम्बोज ने बताया कि मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। जिनके बारे में किसानों को अवगत करवाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11-9-24	4	1-3

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 16-17 को

मेले में फसल अवशेष प्रबंधन की दी जाएगी जानकारी : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला रबी का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइजर्स के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई टेक्नोलॉजी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी।

उधर, सह निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग शुरू की जा चुकी है। उन्होंने बताया इस बार किसानों की सुविधा के लिए उनके बैठने हेतु वाटर प्रूफ पंडाल होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	11.9.20	2	1

हकृवि में कृषि मेला 16-17 सितंबर को

हिसार, 10 सितंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.9.24	5	5.6

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 16 से

हिसार, 10 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितम्बर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

मेले में फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी दी जाएगी जानकारी : प्रो. काम्बोज

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नं.-3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनालोजी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। उधर, सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग शुरू की जा चुकी है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया इस बार किसानों की सुविधा के लिए उनके बैठने हेतु वाटर प्रूफ पंडाल होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	11.9.25	6	4-5

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 16-17 को

हिसार (सच कहूँ/संदीप सिंहमार)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निमार्ता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निमार्ताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11.9.24	4	1

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 16 से

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.9.24	2	7-8

हकृवि में कृषि मेला 16-17 सितंबर को

हिसार, 10 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्रांउड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनालोजी की जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	11.09.2024	---	--

केवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्याल में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की

समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकत देनी चाहिए। किसान को कृषि वैज्ञानिकों क सच्चा हितैषी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड मे जाकर किसानों की समस्याओं क समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	10.09.2024	---	--

एचएयू में कृषि मेला (रबी) 16-17 को

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी। इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्रांउड पर लगाया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	11.09.2024	---	--

हकृवि में कृषि मेला (रबी) 16-17 सितंबर को

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्रांउड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को

मेले में फसल अवशेष प्रबंधन बारे दी जाएगी जानकारी: कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.09.2024	---	--

हकृवि में कृषि मेला (रबी) 16-17 सितंबर को

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्रांउड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनालोजी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी।

उधर, सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग शुरू की जा चुकी है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया इस बार किसानों की सुविधा के लिए उनके बैठने हेतु वाटर प्रूफ पंडाल होगा। प्रदर्शनी क्षेत्र में पक्के रास्तों का निर्माण किया गया है और मेला स्थल की सुरक्षा के लिए चार दिवारी, प्रकाश व जल निकासी की व्यवस्था की गई है।